● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

02 देश की मिट्टी और धर्म के लिए वीरों ने सर कटा दिया पर सर झुकाया नहीं: रविशंकर प्रसाद

04 3 करोड़ 35 लाख की लागत से बनने वाले पुल का सांसद ने किया उदघाटन

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 27 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 313

सेना प्रमुख जनरल पांडे ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति के कार्यालय ने बैठक की एक तस्वीर के साथ एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सोमवार को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए राजौरी-पुंछ सेक्टर का दौरा किया था। उन्होंने पुंछ-राजौरी सेक्टर में उस इलाके का भी दौरा किया था, जहां हाल ही में सुरक्षा बलों पर हमले हुए हैं।

बिहार में कांग्रेस गठबंधन के साथ

कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने लोकसभा चुनाव को लेकर की बैठक

बीएनएम@नई दिल्ली

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को पार्टी आलाकमान के साथ प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों व सीट बंटवारे को लेकर चर्चा हुई है। बिहार में कांग्रेस पार्टी गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेगी।

सिंह ने यहां पार्टी मुख्यालय में बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बिहार प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों की सारी बातों को आज पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने सुनीं हैं।

उन्होंने हमें कुछ सुझाव भी दिए हैं। जिसपर हम काम करेंगे। बिहार में कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव गठबंधन के साथ लड़ेगी। सीट बंटवारे के मामले को भी जल्द सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय गठबंधन समिति की 29 दिसंबर को बैठक है। इस बैठक में सीट बंटवारे के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने भी एक्स पर लिखा कि लोकसभा चुनाव संबंधित तैयारियों को लेकर आज उन्होंने बिहार कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन सरकार मजबूती से बिहार के लोगों की आशा के अनुरूप काम कर रही है। हम सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिहार की तरक्की, खुशहाली और अमन-चैन के लिए कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता पूरी मेहनत से जन-जन तक जाने को और बिहार के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप खरा उतरने को तत्पर है।

बिहार में 4 लाख नियोजित शिक्षकों को मिलेगा राज्यकर्मी का दर्जा

पटना। नए साल से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट में बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को बिहार कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 29 एजेंडों पर मुहर लगा दी है। बैठक में कैबिनेट ने बड़ा फैसला लेते हुए सरकार ने अब नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने का रास्ता साफ कर दिया है। इसी के साथ बैठक में कई अहम फैसले लिए गए है। नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा नीतीश कुमार का बड़ा मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है।

उन्हें बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित एक परीक्षा को पास करना होगा। परीक्षा में सफल होते ही सरकार उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा दे देगी। तीन बार परीक्षा देने का मौका मिलेगा। यह लंबे समय से नियोजित शिक्षक का मांग था मंगलवार को नीतीश कैबिनेट की बैठक में बिहार विद्यालय विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 को मंजूरी दे दी गई है।

इसी के साथ बैठक में बिहार में टूरिज्म नीति को भी मंजूरी दे दी गई है। इस प्रस्ताव पर मुहर लगने से करीब 4 लाख नियोजित शिक्षकों को लाभ होगा। वहीं आठ साल पूरे होने पर प्रमोशन मिलेगा। प्राथमिक से मध्य विद्यालय, मध्य विद्यालय से माध्यमिक विद्यालय शिक्षक और माध्यमिक से उच्च माध्यमिक शिक्षक का लाभ ले सकेंगे। पंचायती राज और नगर निकाय संस्था के नियुक्त शिक्षक और पुस्तकालयाध्यक्ष भी इस नियमावली की नियुक्ति प्रक्रिया से राज्य कर्मी के नए कैडर में शामिल होंगे।

कोरोना से बचाव के लिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी : शेखर सी मांडे

बीएनएम@नई दिल्ली

देश में एक बार फिर से कोरोना ने तेजी से पैर पसारना शुरू कर दिया है। विशेषकर कोरोना के नए वेरियंट जे एन.1 के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसको लेकर केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को सावधानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही लोगों से भी भीड़-भाड़ वाले स्थानों से दूरी बनाने की सलाह दी है।

मंगलवार को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक शेखर सी मांडे ने लोगों को शारीरिक दूरी का पालन करने के साथ सार्वजनिक रूप से मास्क पहनने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि नये साल के जश्न या किसी भी भीड़ वाले स्थानों पर कोरोना का प्रसार तेजी से हो सकता है। इसलिए लोगों को अब सावधानी बरतनी चाहिए। लोगों को मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना चाहिए।

कोरोना प्रबंधन पर बनी भारत सार्स-कोव2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम के प्रमुख एन.के. अरोड़ा ने कहा कि ओमिक्रॉन के इस नए सब-वेरिएंट के सामने आए मामले अधिक गंभीर नहीं हैं और संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती नहीं कराना पड़ा है। जे एन.1 के लक्षणों में बुखार, नाक से पानी आना, खांसी, कभी-कभी दस्त और गंभीर शरीर दर्द शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि कोरोना के नए वेरियंट जेएन.1 के 69 मामलों की पुष्टि की जा चुकी है। देश में केरल के अलावा दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी कोरोना के नए मामले बढ़े हैं।

निवेदन | जमीअत उलमा-ए-हिंद ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा-

सुनहरी बाग मस्जिद के विध्वंस पर रोक लगाई जाए

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर नई दिल्ली में राजपथ पर स्थित सुनहरी बाग मस्जिद के संभावित विध्वंस पर अपनी आपत्ति व्यक्त की है। मौलाना मदनी ने अपने पत्र में चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री को लिखा है कि नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मस्जिद सुनहरी बाग को हटाने के संबंध में जनता की राय मांगने वाली अधिसूचना जारी की है। इस तरह की कार्रवाई से देश की साझी विरासत को गंभीर नुकसान पहुंचेगा।

उन्होंने कहा है कि यह मस्जिद देश के प्रमुख स्थान पर दो सौ वर्षों से स्थापित है, जो हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की गवाह है। हमारा देश अनेकता में एकता की मिसाल है और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों से समृद्ध है। अपनी सुंदरता और भव्यता के साथ निर्मित यह मस्जिद न केवल आसपास के लोगों के लिए इबादत की जगह है, बल्कि एक गौरवशाली विरासत का भी महत्व रखती है। अक्टूबर, 2009 में जारी अधिसूचना के अनुसार यह मस्जिद ग्रेड-3 के धरोहर भवनों में शामिल है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि आप स्वयं इस मामले का संज्ञान लेकर मस्जिद सुनहरी बाग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। मौलाना मदनी ने विश्वास जताया है कि इस मामले में आपका हस्तक्षेप इस देश की सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूती देगा।

प्रतिनिधिमंडल ने मस्जिद का दौरा किया

इस बीच, जमीअत उलमा-ए-हिंद के एक केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने आज दोपहर जमीअत के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी के नेतृत्व में सुनहरी बाग मस्जिद पहुंच कर इमाम मौलाना अब्दुल अजीज से मुलाकात की और मस्जिद के संबंध में पूरी स्थिति की जानकारी ली। इमाम साहब ने कहा कि हमारी मस्जिद सरकार के हर सुरक्षा निर्देश का पालन करती है, यहां तक कि संसद सत्र के दौरान यहां जमाअत के साथ (सामूहिक नमाज) का भी आयोजन नहीं किया जाता है। इसके साथ ही इस मस्जिद के कारण यातायात की कोई समस्या नहीं है। जमीअत उलेमा हिंद के प्रतिनिधिमंडल ने मस्जिद के इमाम को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने दिल्ली के लोगों से एनडीएमसी की अधिसूचना पर प्रतिक्रिया देने की अपील की है कि उन्हें इस मस्जिद का विध्वंस बिल्कुल पसंद नहीं है। जामीअत के प्रतिनिधिमंडल में महासचिव मौलाना मौलाना हकीमुद्दीन कासमी के अलावा गय्यूर अहमद कासमी, मौलाना इरफान कासमी, मौलाना मुफ्ती जाकिर हुसैन कासमी, मौलाना ऐहतशाम कासमी और मौलाना अजीमुल्लाह सिद्दीकी शामिल थे।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दे केन्द्र सरकार : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केन्द्र सरकार को जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में अब विलंब नहीं करना चाहिए। खड़गे ने मंगलवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को मोदी सरकार ने धोखा दिया है। वहां आतंकी घटनाएं चरम पर हैं। कश्मीरी पंडितों पर आज भी हमले हो रहे हैं। वहां आए दिन आतंकी घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में राज्य की जनता अब बदलाव चाहती है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वहां के लोगों ने कांग्रेस के साथ एकजुटता दिखाई थी। खड़गे ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर व लद्दाख से आए पार्टी नेताओं के साथ उन्होंने बैठक की।

5 जनवरी को बिहार दौरे पर आएंगे केंद्रीय मंत्री गडकरी

पटना। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आगामी पांच जनवरी को बिहार दौरे पर आ सकते हैं। दरभंगा में उनका दौरा प्रस्तावित है। अपने बिहार दौरे में वे लगभग 20 हजार करोड़ की सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार केंद्रीय मंत्री आमस-दरभंगा पथ का शिलान्यास करेंगे। चार पैकेज में बनने वाली इस सड़क में पहले पैकेज आमस-शिवरामपुर का काम शुरू है। दूसरे पैकेज शिवरामपुर-रामनगर का भी काम शुरू है। रामनगर से कच्ची दरगाह पैकेज की मंजूरी नहीं मिली है। कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर पुल का निर्माण हो रहा है। चौथे पैकेज में बिदुपुर से तालदशहरा के बीच सड़क का काम शुरू है। परसरमा से सहरसा-महिषि, चकिया-बैरगनिया, दरभंगा-जयनगर, जमुई, शेखपुरा व बांका बाईपास का भी वे शिलान्यास करेंगे। भागलपुर-ढाका मोड़ और चकाई सड़क का भी शिलान्यास हो सकता है।

'INDIA गठबंधन से हताश हैं CM'

जंगलराज से परेशान हैं नीतीश कुमार: केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय

बीएनएम@पटना

नया साल 2024 दस्तक देने वाला है, इसी बीच बिहार की राजनीति में भी फेर बदल की चर्चा तेज हो गई है। इंडिया गठबंधन में सीएम नीतीश कुमार को कोई जिम्मेदारी नहीं मिलने से नाराजगी की बात सामने आ रही है। ऐसा माना जा रहा है कि नीतीश कुमार एनडीए में शामिल हो सकते हैं। इसको लेकर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बड़ी बात कही। मीडिया से खास बातचीत में उन्होंने इशारों-इशारों में जवाब दिया है। जंगलराज से परेशान हैं नीतीश कुमार? बता दें कि साल के अंत में जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक होने जा रही है।

बैठक में बड़े फैसले लिए जाने की संभावना है। महागठबंधन में किनारे कर दिए

गए नीतीश कुमार अपने फैसले से सबको चौका सकते हैं। इसी बीच बिहार में बढ़ते अपराध से जंगलराज की चर्चा तेज हो गई है। विपक्षियों का मानना है कि जब से सीएम नीतीश कुमार राजद के साथ गए हैं, हत्या, लूट की घटना बढ़ गई है। नीतीश कुमार को लेकर कहीं न कहीं यह भी एक कारण है।

नीतीश को लेकर भाजपा के बदले सुर

हाल में नीतीश कुमार के प्रति भाजपा के सुर भी बदले दिख रहे हैं। किसी भी मुद्दा पर भाजपा नेता नीतीश कुमार को छोड़कर लालू यादव और तेजस्वी यादव की सरकार की बात करते हैं। कहते हैं कि इन्हीं नेताओं के कारण बिहार में अपराध बढ़ गया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भी नीतीश कुमार की वापसी को लेकर चौका देने वाला बयान दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार ने अटल जी को धोखा देने का काम किया है, लेकिन आज वे उनकी तारीफ कर रहे हैं। एनडीए में वापसी को लेकर नित्यानंद राय ने गोलमोल जवाब दिया।बहालांकि उन्होंने 'नो एंट्री' की बात कहने से परहेज की है। उन्होंने नीतीश कुमार को लेकर कहा कि वे इंडिया गठबंधन से हताश हैं। उन्होंने खुद महागठबंधन में जाने का फैसला लिया था।

नित्यानंद राय ने इशारों-इशारों में गेंद को नीतीश कुमार के पाले में डाल दिया है। नित्यानंद राय ने कहा कि बिहार में जंगलराज जैसी स्थिति है। पिछले 1 साल के दौरान 4000 से अधिक हत्याएं, 500 मां बहनों के साथ ब्लात्कार हुए हैं। राज्य के अंदर अपराधियों का राज चल रहा है। यूपी में भी अपराध हो रहे हैं, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में अपराधियों को सजा दिलाई जाती है, लेकिन यहां अपराधियों का राजनेताओं के साथ गठजोड़ है।

क्रेडिट जो भी लें, नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी बनाने का फैसला मेरा: जीतन राम मांझी

बीएनएम@पटना

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने नियोजित शिक्षकों को सरकारी टीचर बनाने के फैसले पर नीतीश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब वो खुद सीएम थे तब उन्होंने नियोजित शिक्षकों के पक्ष में उन्हें सरकारी करने के लिए फैसला लिया था। लेकिन उस फैसले को नीतीश सरकार ने ही रद्द कर दिया था।

उस समय नीतीश ने बताया था कि ये फैसला गलत है। लेकिन जिस तरह से आज नियोजित शिक्षकों के पक्ष में कैबिनेट ने मुहर लगाई है, उससे ये साबित हो गया कि उनका हर फैसला राज्य के हित में था।

नियोजित शिक्षकों के राज्यकर्मी बनने का रास्ता साफ:

बता दें कि मंगलवार को बिहार सरकार की नीतीश कैबिनेट ने नियोजित शिक्षकों के पक्ष में बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने नियोजित शिक्षक नियमावली 2023 को मंजूरी देकर सभी को राज्यकर्मी बनाने का रास्ता तैयार कर लिया है। नयी नियमावली के तहत अब नियोजित शिक्षक विशिष्ठ शिक्षक कहे जाएंगे।

विशिष्ठ शिक्षकों को देनी होगी परीक्षा:

राज्यकर्मी शिक्षक बनने के लिए या कहें कि बीपीएससी शिक्षकों के बराबर वेतनमान पाने के लिए उन्हें विभागीय परीक्षा निकालनी होगी। उसके लिए तीन बार मौका विभाग की ओर से दिया जाएगा।

जो शिक्षक इस परीक्षा को पास कर लेंगे उनके वेतन में सभी राजकीय भत्ते देय हो जाएंगे। पास होने वाले विशिष्ठ शिक्षकों का वेतन बढ़ जाएगा।

देश की मिट्टी और धर्म के लिए वीरों ने सर कटा दिया पर सर झुकाया नहीं: रविशंकर प्रसाद

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर पटना साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेका। वीर बाल दिवस पर श्री गोविंद सिंह के पुत्रों साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के शहादत के रूप में मनाया जाता है।

गुरुद्वारा तक होगा मेट्रो का विस्तार:

इस दौरान सांसद रविशंकर प्रसाद ने वीर बाल दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी से पटना में निर्माणाधीन मेट्रो का विस्तार श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जन्मस्थल पटना साहिब तख्त श्री हरिमंदिर साहिब गुरुद्वारा तक पहुंचाने का आग्रह किया। इस आग्रह को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्वीकार करते हुए घोषणा की है कि वे दिल्ली पहुंचने पर पूरी तत्परता से मेट्रो के विस्तार पर कार्रवाई करेंगे।

ना साहिब गुरुद्वारा में वीर बाल दिवस का आयोजन:

कार्यक्रम की शुरुआत श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी के बलिदान की प्रदर्शनी के अवलोकन के साथ किया गया। वीर साहिबजादों के त्याग, वीरता और बलिदान सभी देशवासियों को युगों-युगों तक राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद: कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, नंदकिशोर यादव विधायक पटना साहिब, संजीव चौरसिया विधायक दीघा और प्रमोद चंद्रवंशी विधान पार्षद सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

रविशंकर प्रसाद ने शहीदों का किया स्मरण:

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज बहुत ही भावुक और शहीदों के स्मरण का दिन है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान सिख गुरु गुरुगोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के शहादत को शहीद दिवस के रूप में मानने का निर्णय किया है।

साथ ही रविशंकर प्रसाद ने विशेष रूप से आग्रह किया कि साहबजादों के जीवन, वीरता व बलिदान पर आधारित प्रदर्शनी को सभी विद्यालय में भी लगाया जाए ताकि आने वाली पीढ़ी मातृभूमि, धार्मिक मूल्यों और सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर धर्म के ध्वज को उठाये रखने के उनके समर्पण की सीख प्रेरणा का श्रोत बनेगी।

इंडी गठबंधन के कुछ नेताओं को हिंदू धर्म के खिलाफ बोलने की मिली सुपारी: सुशील मोदी

बीएनएम@पटना

पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि एक समुदाय विशेष का थोक वोट लेने के लिए इंडी गठबंधन ने अपने दूसरे-तीसरे दर्जे के कुछ नेताओं को हिंदू धर्म, राम मंदिर, सनातन संस्कृति और रामचरित मानस पर अनर्गल टिप्पणी करने की सुपारी दे रखी है।

> कांग्रेस के प्रियांक खरगे, सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य, द्रमुक के दयानिधि मारन, राजद के चंद्रशेखर और जगदानंद जैसे नेताओं को हिंदू धर्म को धोखा, डेंगू, मलेरिया वगैरह बताने की सुपारी मिली हुई है लेकिन इनमें से किसी की हिम्मत नहीं है कि वे आतंकवाद का धर्म बता दें।
> –सुशील कुमार

मंगलवार को सुशील मोदी ने यहां कहा कि कांग्रेस के प्रियांक खरगे, सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य, द्रमुक के दयानिधि मारन, राजद के चंद्रशेखर और जगदानंद जैसे नेताओं को हिंदू धर्म को धोखा, डेंगू, मलेरिया वगैरह बताने की सुपारी मिली हुई है लेकिन इनमें से किसी की हिम्मत नहीं है कि वे आतंकवाद का धर्म बता दें। ये सारे सुपारी किलर केवल हिंदुओं की सहिष्णुता के कारण अपनी नौकरी बचा पा रहे हैं। तीन हिंदी भाषी राज्यों में इंडी गठबंधन को राम मंदिर और सनातन धर्म के विरोध का परिणाम झेलना पड़ा, फिर भी वे आत्ममंथन के लिए तैयार नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से साफ है कि विपक्ष हिंदुओं से घृणा और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की घिसी-पिटी लकीर से जरा भी हटने वाला नहीं है। मोदी ने कहा कि यदि सनातन विरोधी यही रवैया कायम रहा, तो 2024 के संसदीय चुनाव में इंडी गठबंधन के सपा-राजद जैसे कई दल लोकसभा से लुप्त हो जाएँगे। तब ये ईवीएम में दोष देखने चलेंगे, खुद में नहीं।

एसके सिंघल की छुट्टी, शोभा ओहटकर को अतिरिक्त प्रभार

पटना। पेपर लीक मामले में नीतीश सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। राज्य सरकार ने केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) के अध्यक्ष पद से एसके सिंघल को कार्यकाल पूरा करने से पहले ही हटा दिया है। उनके स्थान पर गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशाम सेवा की महानिदेशक सह महासमादेष्टा शोभा ओहटकर को अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। गृह विभाग ने मंगलवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। सिपाही पेपर लीक मामले में नीतीश सरकार की काफी फजीहत हुई थी। समझा जा रहा है कि इसके मद्देनजर सरकार ने यह फैसला लिया है। शोभा ओहटकर 1990 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। एसके सिंघल डीजीपी पद से दिसंबर 2022 को सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद इन्हें 21 जनवरी 2023 को तीन वर्ष के लिए पर्षद का चेयरमैन बनाया गया था।

अनु जाति जनजाति अत्याचार निवारण समिति की बैठक सम्पन्न

बीएनएम@मोतिहारी

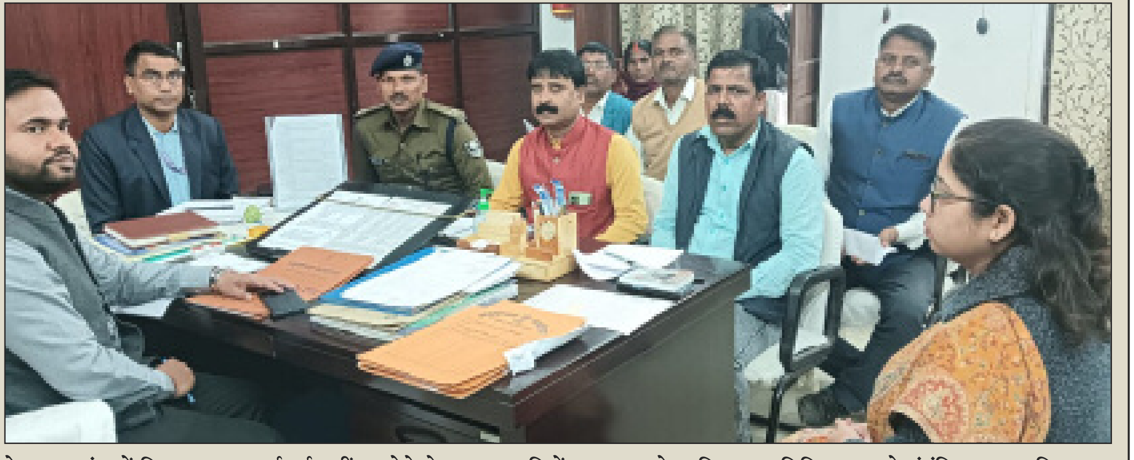

अनु जाति जनजाति अत्याचार निवारण अनुश्रवण सह सतर्कता समिति सदर अनुमंडल की बैठक श्रेष्ठ अनुपम (भाप्रसे) की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई। उक्त बैठक में पूर्व के बैठक में लिए गए प्रस्ताव का अनुपालन सुनिश्चित कराने का प्रस्ताव सदस्य राजू बैठा मुखिया ने दिया। श्री बैठा ने प्रस्ताव दिया की अनु जाति जनजाति अत्याचार निवारण संशोधित अधिनियम 2018 के धारा 4 क ख, ग, का अनुपालन सुनिश्चित कराने का सुझाव दिया। अगली बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को प्रतिवेदन के साथ उपस्थित रहेंगे अन्यथा उनके खिलाफ सेक्शन फॉर की कारवाई की अनुशंसा की जायेगी। सदर अनुमंडल के सभी थानाध्यक्ष एवं एससी एसटी एक्ट के तहत दर्ज कांडो के आई ओ के द्वारा कांड में नियमानुसार कार्रवाई नहीं करने के कारण 192 आई ओ और सभी थानाध्यक्ष सदर अनुमंडल से स्पष्टीकरण की मांग की गई थी परंतु अब तक जबाब नही दिए जाने पर क्षोभ प्रकट करते हुए उन्हें पुनः स्मारित करने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में अगली बार से सभी थानाध्यक्ष को भाग लेने हेतु BWO जितेंद्र कुमार को नामित किया गया अनुपस्थित रहने पर कारवाई करने का सुझाव दिया गया।

बैठक में महादलित बस्ती मे संपर्क पथ से जोड़ने , महादलित परचाधारियों को कब्जा दिलाने, थानाध्यक्ष के द्वारा एससी एसटी एक्ट के 18(1) ए का अनुपालन सुनिश्चित कराने संबंधित प्रस्ताव लिए गए। बैठक में प्रीती सिंह डीसीएलआर, प्रमोद कुमार एससी एसटी थानाध्यक्ष, रामदेव राम मुखिया, राजेंद्र बैठा मुखिया, अलका मांझी, किरण राम, मनोज कुमार अकेला , जितेंद्र कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सहित कई अधिकारी भाग लिए।

शिकारी तथा तस्करों के विरुद्ध वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना में लॉन्ग रेंज पेट्रोलिंग शुरू

बगहा। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकि टाइगर प्रोजेक्ट के वन क्षेत्रों में नये वर्ष 2024 के अवसर पर शिकारी और तस्करों की घुसपैठ की सूचना पर टाइगर प्रोजेक्ट वन प्रशासन की ओर से पूरे वन क्षेत्र में लॉन्ग रेंज पेट्रोलिंग शुरू की गई है।

नेपाल और यूपी के बॉर्डर पर स्थित संवेदनशील वन क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां सशस्त्र होमगार्ड जवान और वनकर्मियों की तैनाती की गई है, जो वन क्षेत्रों में कड़ी नजर रख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिकारी और तस्करों को पकड़ने के लिए भारतीय क्षेत्र के बॉर्डर पर तैनात सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल और संबंधित थाना पुलिस का सहयोग लिया जा रहा है । वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक डॉक्टर नेशामणि ने बताया कि लॉन्ग रेंज पेट्रोलिंग शुरू कर दी गई है।

डीईओ ने वितरण किया सफाईकर्मियों के बीच किट

रामगढ़वा। प्रखंड संसाधन केंद्र परिषद में जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के उपस्थिति में एक एनजीओ के सौजन्य से हाउस कीपिंग संबंधित कीट वितरण समारोह का आयोजन किया गया है।जिसमे प्रखंड अंतर्गत सभी प्रभारी प्रधानाध्यापक उपस्थित।थे।बैठक के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा सभी प्रधानाध्यापकों और सफाईकर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यालय में पहले सफाई बाद में पढ़ाई का नारा देते हुए सभी विद्यालय सफाई कर्मियों को भी प्रेरित किया। मंच संचालन कमलेश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा सत्य नारायण साहू बीआरपी महाम्मद सैदुल्लाह बीआरसी, श्रीलाल प्रसाद एमडी रेयाज एमडीएम ऑपरेटर, मुकेश कुमार सिंह, राजकुमार प्रसाद, संजीव कुमार, सत्य प्रकाश, श्रीनिवास प्रसाद आदि उपस्थित थे।

प्रभारी डीएम ने की समीक्षा बैठक

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी के प्रभारी जिलाधिकारी, अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रत्येक बुधवारीय जांच हेतु सभी प्रखंड के नामित वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के कल्याणकारी योजनाओं के पर्यवेक्षण तथा सुदृढ़ प्रशासनिक नियंत्रण के उद्देश्य से बुधवारीय निरीक्षण के क्रम में सभी प्रखंड कार्यालय एवं सभी प्रखंड पंचायती राज कार्यालय का प्रखंडों के लिए नामित वरीय पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाना है। वर्तमान में कार्यालय प्रबंधन एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से कार्यालय हित में सभी प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया जाना है। निरीक्षण के क्रम में मुख्य रूप से कार्यालय की साफ सफाई, स्थापना, उपस्थिति पंजी, बायोमेट्रिक सहित आगत पंजी, निर्गत पंजी, अनुक्रमणिका पंजी, लंबित पत्रों की पंजी, सेवा पुस्तक का अद्यतीकरण, लॉग बुक, गार्ड फाइल, वाहन संधारण, सेवानिवृत्ति के मामले/ जन शिकायत/ जिला जनता दरबार, आयुक्त कार्यालय, जनता के दरबार में मुख्यमंत्री, डैशबोर्ड, सी पी ग्राम, लोक शिकायत निवारण के मामले, अंकेक्षण, न्यायालय से संबंधित वाद, नीलाम पत्र वाद, कार्यालय कोर्ट केस, रोकड़ बही, अभिश्रव पंची आदि का वरीय पदाधिकारियों द्वारा व्यापक पैमाने पर चेक लिस्ट के अनुसार जांच करने हेतु संबंधित पदाधिकारी को उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, जिला नजारत उपसमाहर्ता, सभी वरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ें थें।

कामयाबी | कौन बनेगा करोड़पति सीजन 5 में 5 करोड़ रुपए जीतने वाले...

केबीसी विजेता सुशील ने बीपीएससी में मारी बाजी

बीएनएम@मोतिहारी

मशहूर टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 5 में 5 करोड़ रुपए जीतने वाले मोतिहारी शहर के हनुमानगढी निवासी सुशील कुमार अब बीपीएससी परीक्षा में बाजी मार कर सरकारी टीचर बन गए हैं। इस आशय की जानकारी उन्होने अपने सोशल मीडिया के एक्स और फेसबुक एकांउट पर दी है।

5 करोड़ रुपए जीतकर रातोरात सुर्खियां बटोरने वाले सुशील केबीसी में आने से पहले साल 2007 में मनरेगा में कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर नौकरी कर रहे थे।हालांकि इस शो में आने के बाद उनकी जिंदगी बदल गई।धुन के पक्के और कुछ कर गुजरने के जज्बे के धनी सुशील कुमार लगातार अध्ययनशील रहे।जिसका परिणाम है कि हाल ही में बीपीएससी परीक्षा के जारी रिजल्ट में 11वीं-12वीं के मनोविज्ञान विषय के टीचर के पद के लिए 119वीं रैंक हासिल हुई है।

साथ ही उनका चयन 6-8 के सोशल साइंस टीचर में भी हो गया है।जिसमें उनका रैंक 1692 है।इसके साथ ही वे बिहार विश्वविधालय से पीएचडी की भी पढाई कर रहे है।

केबीसी में मिली सफलता के बाद सुशील के जीवन में कुछ उतार चढाव भी आये लेकिन हंसमुख और धैर्यशीलता जैसे गुणो के कारण उन्होने सभी बाधाओ को पार कर लिया।विगत चार पांच सालों से उनके द्धारा चलाये अनोखे अभियान चंपा से चंपारण में अब तक जिले में 60 हजार चंपा,पीपल,बरगद और आम महुआ के पेड़ लगाये जा चुके है।

इतना ही नही पर्यावरण के प्रति उनके लगाव के कारण जिले के दस हजार घरो में गौरैया पक्षी के घोसला लगाया जा चुका है।पौधे और घोसला लेकर गांव गांव और शहर शहर घुम कर लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने वाले सुशील कुमार के शिक्षक पद पर चयन होने के बाद उन्हे बधाई देने वालो का तांता लगा हुआ है।

हवाईअड्डा क्रिकेट क्लब व जुलियन क्रिकेट एकेडमी पहुंचा क्वार्टर फाइनल में

मोतिहारी। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में गाँधी मैदान ग्राउंड-3 पर चल रहे मलय बनर्जी(पुलक दा) स्मृति टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को पहले मुकाबले में हवाईअड्डा क्रिकेट क्लब ने मौर्या क्रिकेट क्लब को 19 रन से हराकर व जुलियन क्रिकेट एकेडमी ने ब्रावो क्रिकेट एकेडमी को 7 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन ने बताया की टॉस जीत कर बल्लेबाजी करने उतरी हवाई अड्डा क्रिकेट क्लब की टीम 20 ओवर में 130/4 रन का स्कोर बनाया जिसमे मैन ऑफ द मैच अभिनव ने 62 रन व शिवम ने 29 रन का योगदान दिया। मौर्या क्रिकेट क्लब के गेंदबाज शुभम को 3 विकेट व प्रिंस को 1 विकेट मिला।जवाब में खेलने उतरी मौर्या क्रिकेट क्लब की टीम 20 ओवर में 111/7 रन ही बना

सकी। मौर्या क्रिकेट क्लब के बल्लेबाज प्रशांत ने 28 रन व तुषार ने 25 रन बनाए।हवाईअड्डा क्रिकेट क्लब के गेंदबाज शुभम को 2 विकेट व अभिनव को 1 विकेट मिला।मैच में अम्पायर की भूमिका में तैयब हुसैन व इब्राहीम लोधी रहे। वही निखिल ने स्कोरर की भूमिका निभाया।मैन ऑफ द मैच अभिनव(62 रन व 1 विकेट) को जी.के.स्पोर्ट्स के सौजन्य से इसीडीसीए के वरिष्ठ खिलाड़ी रामप्रकाश सिन्हा ने पुरस्कृत किया।वही दूसरे मुकाबले में जुलियन क्रिकेट एकेडमी की टीम ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए निर्धारित 18 ओवर में 111/7 रन का स्कोर बनाया। टीम के बल्लेबाज आशीष व हुशाम ने क्रमशः 29 रन व 23 रन बनाए।ब्रावो क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाज अंकुर ने 2 विकेट लिया जबकि हैप्पी को 1 विकेट मिला।जवाब में खेलने उतरी ब्रावो क्रिकेट एकेडमी की टीम 18 ओवर में 104/10 रन का स्कोर ही बना सकी।टीम के बल्लेबाज आदर्श ने 27 रन व गुलशन ने 13 रन बनाए।जुलियन क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाज हुशाम व गुलाब को क्रमशः 3 विकेट व 2 विकेट मिला।जुलियन क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ी हुशाम को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उसके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए(23 रन व 3 विकेट) के लिए जी. के.स्पोर्ट्स के सौजन्य से इसीडीसीए के वरिष्ठ खिलाड़ी विश्वनाथ प्रसाद द्वारा दिया गया।

युवा समाजसेवी ने मनाई अपने दादा की पुण्यतिथि

रेलवे स्टेशन पर 600 लोगों को कराया भरपेट भोजन

मोतिहारी। युवा समाजसेवी धीरज सर्राफ ने अपने दादा स्वर्गीय सौखीलाल प्रसाद प्रसाद के पुण्यतिथि के अवसर पर सुबह में अपने घर पर सबसे पहले पूजा पाठ कर ब्राह्मण और गरीबों को दान स्वरूप दक्षिणा दिए,उसके पश्चात उसी दिन बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के बाहर संध्या 5:00 बजे से लगातार 9:30 बजे रात तक लगभग 600 से ज्यादा लोगों को भरपेट भोजन कराया।

बताते चले कि, लगातार कई वर्षों से पूर्व में भी 25 दिसंबर को स्वर्गीय सौखीलाल प्रसाद के पुत्र रामबाबू प्रसाद, शंभू नाथ साहू, उर्फ़ टुनटुन जी, प्रभु प्रसाद, गिरधारी प्रसाद, गणेश प्रसाद एवं रामबाबू प्रसाद के सुपुत्र मुकेश कुमार, विक्की एवं युवा समाजसेवी धीरज सर्राफ ने लगातार जरूरतमंद लोगों को उसदिन जरूरत की समान एवं खाना खिलाते आए हैं।

बापूधाम रेलवे स्टेशन पर रेलवे के मेकिंग के द्वारा खाना खिलाने के लिए सूचना दी जा रही थी जो कतारवद्ध होकर खाना लेकर खा रहे लोगों को चेहरे की मुस्कान देखकर वहां मौजूद परिवार के लोगों को काफी आत्मिक संतुष्टि मिल रही थी।

मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रकाश अस्थाना, ईस्ट चंपारण लायंस क्लब के अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह, सचिव सुधीर गुप्ता एवं जोनल चेयरपर्सन सुधांशु रंजन, युवा भाजपा नेता धर्मेंद्र कुमार, लड्डू सिंह, उत्तम मिश्रा, कुणाल सिंह, चेंबर के पूर्व अध्यक्ष विवेक गौरव, सचिव हेमंत कुमार, समाजसेवी केशव कृष्णा, संजय प्रसाद, पूर्व वार्ड पार्षद राजेश गुप्ता एवं शहर के अन्य समाजसेवी प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

लायंस क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर का रक्सौल में किया गया स्वागत

मोतिहारी। लायंस क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन बालकृष्ण बुर्लाकोटी का रक्सौल में लायंस कल्ब के सदस्यो ने भव्य स्वागत किया। उल्लेखनीय है,कि बुर्लाकोटि प.चंपारण बेतिया लायंस क्लब के डायमंड जुबली समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। जहां से नेपाल वापसी के क्रम में लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के सदस्यों ने नेपाल आंखा अस्पताल एवं तारा होण्डा एजेंसी के प्रांगण मे पुष्पगुच्छ, मिथिला पेंटिंग एवं शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया।

इस मौके पर डायरेक्टर बुर्लाकोटी ने नेपाल आंखा अस्पताल का घूमकर अवलोकन किया। साथ ही लायंस सदस्यो को समाजिक कार्यो में बढ-चढ कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।उन्होने कहा कि लायंस कल्ब का मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरमंदो को राहत पहुंचाना और हर आपदा विपदा के समय पूरी सजगता के साथ समाजिक दायित्वों का निर्वहन करना है।

उन्होने कहा कि लायंस सदस्यो के भावपूर्ण स्वागत ने मुझे भाव विह्लल कर दिया है।मौके पर लायन राजीव रंजन,बेतिया लायंस क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन जमील बारमिकि तथा रक्सौल क्लब के अध्यक्ष लायन शम्भु प्रसाद चौरसिया,सचिव पवन किशोर कुशवाहा, कोषाध्यक्ष मोहम्मद निज़ामुद्दीन, बिमल सर्राफ, हरीश खत्री, गणेश धनोठिया, नारायण रुंगटा सहित कल्ब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एनआईओएस डीएलएड डिप्लोमा धारकों का हुआ बैठक

शिवहर। शिवहर प्रखंड कार्यालय के प्रांगण में एनआईओएस डीएलएड डिप्लोमा धारकों का एक बैठक हुआ। हाल ही में माननीय उच्चतम न्यायालय के एक फैसला के तहत सत्र 2017-19 में एनआईओएस द्वारा आयोजित 2 वर्षीय डीएलएड को 18 माह का मानकर मान्यता रदद् कर दी। इस फैसले से 14 लाख लोगों का जीवन अंधकारमय हो गया।

चर्चा के दौरान यह बात सामने आयी कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भारत सरकार के गजट में शामिल नहीं किया जिसके परिणामस्वरूप आज यह दिन देखना पड़ रहा है। बताया है कि आगे यह तय किया गया कि गजट में शामिल करने के माननीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्राचार करने संभावित प्रयास किया जाएगा। जिसमें दीपक कुमार को अध्यक्ष, धनञ्जय गुप्ता एवं मोमहताब आलम को उपाध्यक्ष,सन्नी पांडेय को सचिव एवं सत्यम सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

कार्यक्रम में जितेंद्र कुमार, पवन रंजन, जयराम कुमार, सौरभ पांडेय, अक्षय कुमार, शुशील कुमार, अजय गुप्ता इत्यादि दर्जनों लोग मौजूद थे।

3 करोड़ 35 लाख की लागत से बनने वाले पुल का सांसद ने किया उद्घघाटन

शिवहर। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन शिवहर के द्वारा जिला अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार की अध्यक्षता में ताजपुर पंचायत में मुन्ना कुमार सिंह के आवास पर शिवहर के सांसद रामादेवी विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ के साथ पंचायत वासियों के बीच बालवीर दिवस सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह जी के पुत्र बाबा जोरावर सिंह बाबा फतेह सिंह के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए जनमानस से उन्होंने अपील किया राष्ट्र के लिए समर्पण कितना जरूरी है ।

इसी क्रम में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प गारंटी योजना के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की ,खासकर जन-धन योजना प्रधानमंत्री उज्वला योजना पीएम किसान निधि योजना विश्वकर्म योजना अटल पेंशन योजना अंत्योदय योजना के परिपेक्ष में ग्रामीणों के साथ मिलकर समीक्षा की एवं उसकी उपयोगिता उससे लाभ के बारे में जनमानस को बताया। सांसद ने प्रधानमंत्री के अपनी जनता जनार्दन के लिए दिन रात एक

करके भारत को कैसे विकसित किया जाए काम कर रहे हैं ।इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ललिता कुशवाहा पंचायती राज के प्रदेश प्रवक्ता एवं डिप्टी चेयरमैन पार्वती देवी पति डॉक्टर राम बहादुर प्रसाद गुप्ता ने सभी तमाम सरकारी पदाधिकारी को गरीबों के हित में रहकर काम करने के लिए आग्रह किया। इस कार्यक्रम में बिहार प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य किरण गुप्ता उपस्थित थी, वहीं भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री राधाकांत गुप्ता उर्फ बच्चू जी,विनय कुमार सिंह ,धर्मेंद्र कुमार पांडे ने योजना को बड़े बारीकी से ग्रामीणों के बीच रखा।

वही भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामकृपाल शर्मा ,डॉक्टर नूतन सिंह ,बाबा जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह बारे में रोंगटे खड़ा कर देने वाली बातें बताई। इसी क्रम में सांसद प्रतिनिधि राजेश कुमार राजू ,विधि प्रकोष्ठ के संयोजक शशि सुमन, जिला भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष राम नाथ सुमन , शिवहर ग्रामीण मंडल महामंत्री महंत मनोज गिरी ,दिनेश गुप्ता कार्यालय प्रमुख ,रत्नेश सोनी, पूर्व मुखिया नवल किशोर शाह ,मीडिया प्रभारी संजय कुमार तिवारी सहित सैकड़ो कार्यकर्ताओं ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम का संकल्प रथ से सीधा प्रसारण देख योजना के बारे में जानकारी हासिल की।

इसी क्रम में श्री राम जानकी मंदिर शिवहर में अयोध्या से आए हुए कलश और अक्षत मिश्रण कर्ज का भी उन्होंने शुभारंभ किया।

Editorial

कोरोना की तेज रफ्तार

देश में एक बार फिर कोरोना दस्तक दे चुका है? लेकिन सच यही है कि कोरोना आने के बाद से ही कभी गया ही नहीं? हां, पाबंदियां हटती गईं और दबा संक्रमण धीरे-धीरे पसरता रहा और हम सब बेफिक्र रहे। देश हो या प्रदेश, जिले हों या नगर या गांव हों या पंचायतें लोग इतनी जल्दी उस दर्दनाक मंज़र को भूल भी गए जो हफ्ते, महीने दिन नहीं पूरे दो साल तक दुनिया में तबाही मचाता रहा! वो वाकये भी याद नहीं रहे जो जिन्दगी भर का दर्द दे गए? शायद इसी गलती, चूक या लापरवाही का नतीजा है, जो कोरोना की डरावनी रफ्तार फिर उसी अंदाज में बेख़ौफ बढ़ती जा रही है। कोविड-19 द्वारा लोगों की जान को लीलना कभी थमा नहीं था। हां, कम या बीच में कुछ वक्त ब्रेक लगने का भ्रम जरूर था। अब दिसंबर आखिरी हफ्ते में आई तेजी ने जनवरी 2020 की याद दिला दी। अभी गंभीर संक्रमण या अस्पताल में भर्ती होने के मामले ज्यादा नहीं होने के कारण लोग हल्के से ले रहे हैं। लेकिन सच्चाई यही है कि नया वैरिएंट जेएन.1 धीरे-धीरे हावी होता जा रहा है जो अधिक संक्रमणीय होकर बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके मुख्य लक्षण मुख्य रुप से बुखार के साथ लगातार या रुक-रुक कर हल्की-तेज खांसी, सांस लेने में तकलीफ या सांस नली में दिक्कत, थकान, मांसपेशियों और शरीर में दर्द के साथ ही सिरदर्द, गले में खराश, नाक बहना या बंद रहना है। ये लक्षण इतने आम होते हैं कि लोग जल्द समझ ही नहीं पाते हैं। इसकी रोकथाम के लिए 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को खुद को संक्रमित होने से बचना-बचाना होगा। विशेषज्ञों ने भी वरिष्ठ नागरिकों को खास एहतियात बरतने की सलाह दी है।इस संक्रमण के ताजे रिसर्च ने सबको हैरान कर दिया है। नया वैरिएंट गले को बुरी तरह से प्रभावित करता है जिससे आवाज तक जा सकती है। यह बात भी सामने आई है कि इससे मौतों के बढ़ने के मामले और अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या में वैसी बढ़ोतरी नहीं हुई, जैसी कि डेल्टा वैरिएंट के वक्त थी। लेकिन अब इस संक्रमण से स्वाद और गंध के साथ आवाज जाने की संभावना चिकित्सक बता रहे हैं। 15 साल की एक बच्ची ने इस वायरस के चलते अपनी आवाज गंवा दी, जिसके बाद चिकित्सक काफी गंभीर हैं।

गालिब ने 1857 के गदर पर क्यों कलम नहीं उठाई?

आर.के. सिन्हा

मिर्जा मोहम्मद असादुल्लाह बेग खान यानी मिर्जा गालिब एक से बढ़कर एक कालजयी शेर कहते हैं। कौन सा हिन्दुस्तानी होगा जिन्हें गालिब साहब के कहे "हजारों ख्वाहिशें ऐसीं, कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमान लेकिन फिर भी कम निकले…" और "हमको मालूम है जन्नत की हकीकत, लेकिन, दिल के खुश रखने को 'गालिब' ये खयाल अच्छा है…" जैसे शेरों को सुन-सुनकर आनंद न मिलता हो। गालिब अपनी शायरी में वे सारे दुख, तकलीफ और त्रासदियों का जिक्र करते हैं जिससे वे महान शायर बनते हैं। लगता है कि गालिब में भी एक आम आदमी की कई कमजोरियां थीं। गालिब ने अपने जीवन में भी कई दुःख देखे। उनके सात बच्चे थे लेकिन सातों की मृत्यु हो गई थी। उनकी माली हालत तो कभी बहुत बेहतर नहीं रही। वे जीवनभर किराये के घर में ही रहे। दिल्ली-6 में जहां गालिब की यादगार बनी है, वे वहां पर ही वे एक किराये के घर में रहते थे। वे मशहूर तो अपने जीवनकाल में हो गए थे, पर पर्याप्त पैसा उनके पास नहीं था। खैर, मिर्जा गालिब वर्ष 1827 में दिल्ली से कोलकाता गए थे। वे दिल्ली से कोलकाता जाते वक्त कानपुर, लखनऊ, बांदा, इलाहाबाद होते हुए बनारस पहुंचे। वे बनारस में छह महीने ठहरे। वहां गालिब ने दिल्ली और दिल्ली के अपने दोस्तों को भी बड़ी शिद्दत के साथ याद किया। गालिब लिखते हैं कि जब से किस्मत ने उन्हें दिल्ली से बाहर निकाल दिया है, उनके जीवन में एक तूफान उठ खड़ा हुआ है। अब न कोई उनका हमदर्द है न ही उनका कोई वतन है। अपने उसी बनारस प्रवास के दौरान गालिब ने बनारस के बारे में फारसी में एक प्रसिद्ध मसनवी की रचना की, जिसे 'चिराग-ए-दैर' के नाम से जाना जाता है। मसनवी उर्दू कविता का ही एक रुप है जिसमें कहानी किस्से रचे जाते हैं। गालिब ने अपनी इस मसनवी में बनारस के तमाम रंगों और विविध छटाओं को बखूबी उकेरा है। गालिब 29 नंवबर 1829 को वापस अपने शहर दिल्ली आ गए। उसके बाद उनके बल्लीमरान के घर में फिर से दोस्तों आना-जाना चालू हो गया। उनका शेष जीवन दिल्ली की गलियों में ही गुजरा। उर्दू शायरी गालिब के बिना अधूरी है।"उनके देखे से जो आ जाती है मुंह पर रौनक, वो समझते हैं कि बीमार का हाल अच्छा है…" अब भी गालिब की शायरी के शैदाई इस शेर को बार-बार पढ़ते हैं। उनका एक और शेर पढ़ें। "रोने से और इश्क में बे-बाक हो गए…धोए गए हम इतने कि बस पाक हो गए…"। गालिब के कुल 11 हजार से अधिक शेर जमा किये जा सके हैं। उनके खतों की तादाद 800 के करीब थी। वे फक्कड़ शायर थे। गालिब के हर शेर और शायरी में कुछ अपना सा दर्द उभरता है। पर गालिब तब लगभग चुप क्यों थे जब दिल्ली में पहली जंगे आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी। 11 मई, 1857 को मेरठ में अंग्रेजों को रौंदने के बाद बागी सिपाही पहले हिंडन और फिर यमुना नदी को नावों से पार करके सलीमगढ़ के रास्ते भोर में ही दिल्ली में दाखिल हो गए थे। इनके निशाने पर यहां पर काम कर रहे गोरे और ईसाई बन गए हिन्दुस्तानी थे। ये सब उस दौर में दिल्ली के दिल दरियागंज में काफी संख्या में रहते थे।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Today's **Opinion**

राजस्थान कांग्रेस में कमजोर होगी गहलोत-पायलट की पकड़

रमेश सर्राफ धमोरा

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट दोनों ही नेताओं को कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान की राजनीति से बाहर भेज दिया है। अब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में नए लोगों को आगे लाने की कवायद प्रारंभ हो गई है। पिछले लंबे समय से राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति अशोक गहलोत व सचिन पायलट के इर्द-गिर्द ही घूम रही थी। दोनों नेताओं में चल रही आपसी खींचतान के चलते राजस्थान में कांग्रेस को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है। दोनों की अदावत के चलते ही राजस्थान में कांग्रेस सत्ता से भी बाहर हो चुकी हैं। 2018 में जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी थी और अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। तभी से गहलोत व पायलट के बीच खींचतान प्रारंभ हो गई थी। राजस्थान में दोनों बड़े नेता के अलग-अलग दो गुट बन गए थे। दोनों नेताओं की खींचतान के चलते स्थिति यहां तक खराब हो गई थी कि 2020 में सचिन पायलट ने अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर अपने समर्थक विधायकों को लेकर गुड़गांव चले गए थे। उस समय सरकार बचाने के लिए अशोक गहलोत को विधायकों की होटलों में बाड़ेबंदी करनी पड़ी थी। करीबन दो महीने तक चली आपसी खींचतान के बाद कांग्रेस आलाकमान के प्रयासों से कांग्रेस के दोनों नेताओं के बीच शांति स्थापित हो पायी थी। मगर सचिन पायलट को बगावत के चलते उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद गंवाना पड़ा था। वहीं उनके समर्थक कई मंत्रियों को भी पदों से हटा दिया गया था। उस समय पायलट के पास विधायकों की संख्या कम रह गई थी। क्योंकि पायलट द्वारा की जा रही बगावत की जानकारी उनके ही कुछ विधायकों नेअशोक गहलोत को दे दी थी। गहलोत ने समय रहते पायलट गुट के कई विधायकों को अपने पाले में लाकर पायलट को राजनीतिक दृष्टि से कमजोर बना दिया था। आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद पायलट समर्थक कुछ विधायकों को गहलोत सरकार में फिर से मंत्री बनाया गया था। मगर पायलट को कोई भी पद नहीं दिया गया था। पायलट की बगावत से लेकर विधानसभा चुनाव तक गहलोत व पायलट द्वारा लगातार एक दूसरे के खिलाफ बयान बाजी की जाती रही थी। 2022 को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के लिए 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाया था। जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया था। मगर अशोक गहलोत गुट के शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेंद्र राठौड़ ने विधायक दल की बैठक ही नहीं होने दी। धारीवाल ने अपने आवास पर विधायकों की समानान्तर बैठक आयोजित कर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा आहूत विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करवा दिया था। जिस कारण से सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनने से रह गए थे। उसी दौरान सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए भी नामित किया था। मगर गहलोत ने मुख्यमंत्री पद जाने के डर से अध्यक्ष बनने से भी इंकार कर दिया था। गहलोत व पायलट की आपसी लड़ाई में राजस्थान कांग्रेस को जितना नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई होना मुश्किल लगता है। दोनों ही नेताओं को प्रदेश की राजनीति से बाहर भेज दिया गया है। अशोक गहलोत को नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनाया गया है। जो लोकसभा चुनाव के दौरान विभिन्न दलों से गठबंधन पर चर्चा करेगी। इस पांच सदस्यों वाली समिति का संयोजक पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक को बनाया गया है। जबकि समिति में अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, सलमान खुर्शीद व मोहन प्रकाश को सदस्य बनाया गया है। नेशनल अलायंस कमेटी का सदस्य बनने के कारण अशोक गहलोत राष्ट्रीय राजनीति में व्यस्त हो जाएंगे और उनके पास प्रदेश की राजनीति के लिए समय नहीं बचेगा।

(लेखक, स्तंभकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब और हो सकता है खतरनाक?

संजीव ठाकुर

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई , सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन,मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।

इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है।

यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है।

राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें मानवीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है। हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर

शिक्षा देने के साथ बच्चों को जीने की कला भी सिखाएं

अशोक मधुप

आज हमारा ध्यान बच्चों की शिक्षा पर है। उन्हें योग्य बनाने पर है ।योग्य भी इतना की 100 में 95 अंक पाना भी स्वीकार नहीं। पेपर के निर्धारित पूरे अंक चाहिए। इन सबके बीच हम बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान नही दे पा रहे। बच्चों की शिक्षा पर माता पिता का ध्यान ज्यादा है। बच्चों के शारीरिक विकास पर नहीं। बच्चों के मानसिक विकास पर नहीं,जबकि जरूरी है कि बच्चों को जीवन जीना सिखाया जाए।

विपरीत समय में कैसे बचे, सुरक्षित रहे, या कोई नही बता रहा जबकि बहुत जरूरत है सभी बच्चों को जीवन जीना सीखने की कला सिखाई जाए ।उन्हें प्रत्येक विपरीत परिस्थिति के लिए तैयार किया जाए। उन्हें बताया जाए कि किसी आपदा या संकट में फंस जाएं तो उससे कैसे बचे।

कोलंबिया के अमेजन के जंगल में मई में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में लापता हुए चार बच्चे घटना के 40दिन बात जीवित मिले। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने यह घोषणा की। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने शुक्रवार देर रात ट्विटर पर कहा, पूरे देश के लिए खुशी की बात है ! कोलंबिया के जंगल में 40 दिन पहले लापता हुए चारों बच्चे जिंदा मिल गए हैं।

उन्होंने सैन्य और स्वदेशी समुदाय के कई सदस्यों की एक तस्वीर भी साझा की, जो भाई-बहनों लेस्ली जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (13), सोलेनी जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (9), टीएन रानोक मुकुतुय (4) और क्रिस्टिन रानोक मुकुतुय (1) की थी ।एक बयान में राष्ट्रपति ने इसे मैजिकल डे करार दिया, और कहा ये अकेले थे, उन्होंने जीवन संघर्ष का ऐसा उदाहरण पेश किया, जो इतिहास में बना रहेगा ।गौरतलब है कि एक मई को, सेसना 206 लाइट एयरक्राफ्ट अमेजॅनस प्रांत में अरराकुआरा और ग्वावियारे के एक शहर सैन जोस डेल ग्वावियारे के बीच उड़ान भरने के दौरान गायब हो गया। दुर्घटना के बाद से खोजी कुत्तों के साथ 100 से अधिक सैनिकों को खोज और बचाव कार्यों में लगाया गया है ।पिछले महीने विमान का मलबा और पायलट तथा दो वयस्कों के शव मिले थे। उड़ान के शुरुआती घंटों में ही पायलट ने इंजन के फेल होने की सूचना दी और आपातकालीन अलर्ट जारी किया। इसके बाद विमान घने जंगल में जाकर क्रैश हो गया। दुर्घटना के परिणामस्वरूप पायलट और बच्चों की मां मागदालेना मुकुटुय सहित तीन वयस्कों की मौत हो गई और उनके शव विमान के अंदर पाए गए। जबकि 13, नौ, चार साल और बारह महीने के चारों बच्चे 40 दिन बाद जीवित पाए गए।

कोलंबिया के राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे उन्हें देख कर बेहद खुशी हुई क्योंकि बच्चों ने जंगल के बीच में अकेले अपना बचाव किया था। रेस्क्यू टीम को बच्चों के पास से कुछ फल मिले हैं। बता दें कि चारों बच्चे आपस में भाइ बहन है। इन बच्चों ने खुद के लिए झाड़ियों का छोटा एक घर भी बना लिया था। इस घर में ये चारों एक साथ पाये गए। खुद को जीवित रखने के लिए इन बच्चों ने 40 दिन तक घने जंगल में पेड़ों से फल तोड़कर खाए ।सर्च डाग ने इनके गिरे फल से ही इनका पता लगाया ।हालाकि चालिस दिन में ये बच्चे बहुत कमजोर हो गए थे। इन बच्चों के दादा फिडेंशियो वैलेंशिया ने बताया कि दुनिया में कभी कोई बच्चा इतने मुश्किल हालात में जिंदा रहना जानता है तो वह वह मुकुतुय परिवार का हो सकता है। इन चारों में दो बड़े बच्चे लेस्ली और सोलेनी जंगल में जिंदा रहने वाली कला से बखूबी वाकिफ थे। उन्होंने बताया हुई तोतो कबीले के सदस्य बहुत कम उम्र में ही शिकार करना,मछली पकड़ना और खाने पीने का सामान जमा करना सीखने लगते हैं।

कोलंबिया के मीडिया से बात करते हुए इन बच्चों की चाची दमारिस मुकुतुय ने बताया उनके परिवार के बच्चे जब बड़े हो रहे होते हैं, तो वे खानदान के दूसरे लोगों के साथ जिंदा रहने का खेल खेलते हैं। उन्होंने अपना बचपन याद करते हुए कहा कि जब हम सब बचपन में खेल खेलते थे तो हम छोटे-छोटे तंबू बनाया करते थे। उन्होंने बताया कि 13 साल की लेस्ली को पता था कि कौन से फल नहीं खाने हैं क्योंकि जंगल में बहुत से फल जहरीले मिलते हैं। लेस्ली को छोटे बच्चे का ख्याल रखना भी अच्छी तरह आता था. दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से लेस्ली ने फैरून नाम का एक तरह का आटा भी खोज निकाला. जब तक यह आटा रहा तब तक यह बच्चे इसी पर गुजर करते रहे. बच्चों की तलाशी अभियान में हिस्सा लेने वाले हुई तूतो समुदाय के बुजुर्ग एडमिन पाखी ने बताया कि आटा खत्म होने के बाद चारों बच्चे जंगली फल के बीज खाने लगे. इन्हीं बचे मिले फल से बच्चों की खोज हुई।

बच्चों के दादा कहते हैं कि मुकुतुय परिवार के बच्चों को बचपन से ही विपरीत परिस्थिति में जंगल में आदमी के जीने की कला सिखाई जाती है। कोलंबिया में मुकुतुय परिवार को यह कला सिखाई जाती है किंतु हिंदुस्तान में तो प्रायः सरकारी स्कूल के कक्षा तीन से लेकर कक्षा आठ तक सारे बच्चे ये कला सीखते हैं। ये शिक्षा है स्काउट की। इसमें स्काउट (लड़के)/ गाइड (लडकियों) को बताया जाता है कि जंगल में फंसने पर पेड़ पौधों की छाल से कैसे रोटी बनानी है। तवा ना होने पर भी पत्थर पर कैसे रोटी को सेकनी है। बिना माचिस कैसे आग जलानी है। वन में रास्ते पर चलते निशान लगाते चलना है कि पीछे आने वाले को सुविधा रहे। बिछड़े साथियों की टीम के लिए किस तरह का इशारा करना है। जंगल में जरूरत पर रस्सी से कैसे पुल तैयार करना है। मुसीबत में फंसे साथी की कैसे मदद करनी है ।एक वाक्य में इन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनना सिखाया जाता है। स्काउट/गाइड आंदोलन का उद्देश्य युवाओं के शारिरिक, बौद्धिक, समाजिक, भावात्मक और आध्यात्मिक विकास में मदद कर उन्हें स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

किंतु जब से प्राइवेट क्षेत्र में शिक्षा का चलन बढ़ा तब से यह सब खत्म हो गया। सीबीएसई/आइसीएसई शिक्षा में नंबर ज्यादा आने से बच्चों के अभिभावकों का बच्चों से ज्यादा उनकी पढ़ाई पर ध्यान रहने लगा। उनका दबाव रहता है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा नंबर लाएं। इसीलिए स्कूल के बाद ट्यूशन पढ़ने का चलन जोर पकड़ गया। आज की प्राइवेट शिक्षा में छोटी क्लास से लेकर इंटर तक का बच्चा पढ़ाई की मशीन बनकर रह गया। स्कूल में आठ घंटे लगाने के बाद बच्चों को सभी सब्जेक्ट की ट्यूशन पढ़ने हैं। चार सब्जेक्ट की ट्यूशन के लिए चार घंटे चाहिए। एक टयूशन से दूसरे टयूशन तक जाने के लिए बच्चों को लगभग तीन से चार घंटे लगते हैं। इस तरह से आज के बच्चे और किशोर 15 से 16 घंटे पढ़ाई के लिए तैयार होने और पढ़ाई पर लगते हैं। इसके बाद भी मां-बाप का दबाव रहता है कि स्कूल और टयूशन का होमवर्क करना है। इतना सब होने के बाद बच्चे और किशोर को खेलने के लिए और अपने व्यक्तिगत विकास के लिए समय नहीं मिलता। आज के मां-बाप का इस बच्चे के व्यक्तिगत विकास पर उनका ध्यान नहीं उनका जितना जोर बच्चों की पढ़ाई पर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संजय 'तल्ख़'

ग़ज़ल

पुरखौफ़ कमसिनी का
मज़ा हम से पूछिये
उस्ताद की छड़ी का
मज़ा हम से पूछिये।।

शाइर भी बन गये हैं बने फ़लसफ़ी भी हम
बर्बाद ज़िंदगी का मज़ा हमसे पूछिये ।।

होता नहीं है इस में ज़माने का डर कोई
बेगम से आशिक़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

मानो न मानो मय की ये लज़्ज़त बढ़ाएगी
शिद्दत की तिश्नगी का मज़ा हम से पूछिये।।

अपने ग़मों की सोच के हम ख़ुद ही हँस पड़े
हल्की सी बे-ख़ुदी का मज़ा हम से पूछिये ।।

मंदिर में सुब्ह शाम की ड्यूटी से बच गए
यानी कि क़ाफ़िरी का मज़ा हम से पूछिये।।

इस इब्तिदा-ए-इश्क़ से पहले के दौर में
अंदाज़-ए-बरहमी का मज़ा हम से पूछिये।।

पाबंदियाँ अरूज़ की चूल्हे में डाल कर
बे-बहर शाइरी का मज़ा हम से पूछिये ।।

आँसू हमारे साफ़ न दिख पाएँ 'तल्ख़' को
धुंधली सी रौशनी का मज़ा हम से पूछिये।।

अशरफ याकूबी

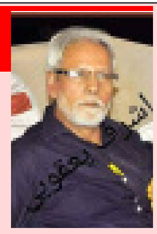

ग़ज़ल

लब चुप हुए तो दीद-ए-
तर बोलने लगे,
गूंगे थे जितने ज़ख़्मे
जिगर बोलने लगे।

हम भी ज़बां संभाल करते हैं गुफ्तगू,
जब से हमारे नूरे नज़र बोलने लगें।

ऐसा बनाओ बहुत के ज़माने के सामने,
आज़र तुम्हारा दस्ते हुनर बोलने लगे।

पहले खिलाफे जुल्म तो वो बोलते न थे,
क्यूं आज हो के सीना सिपर बोलने लगे।

कुछ ऐसा एहतमाम किया जाए जश्न का,
दीवार बोलने लगे दर बोलने लगें।

क्या मसलेहत पसंदी उन्हें रास आ गई,
रख कर किसी के पांव पे सर बोलने लगे।

अशरफ तुम्हारी शायरी का यह कमाल है,
लफ़्ज़ों के सारे ज़ेरो ज़बर बोलने लगे।

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का **Bank Account** तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैंलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैंलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

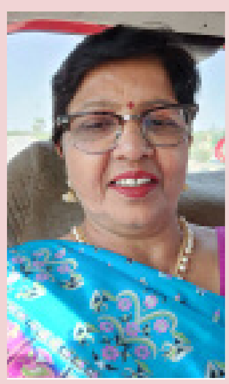

धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना।।

BNM Fantasy

अंकिता लोखंडे ने किया बड़ा खुलासा

सुशांत सिंह राजपूत और अंकिता लोखंडे बॉलीवुड के फेमस कपल्स में से एक रहे हैं। दोनों लम्बे समय तक एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे। सुशांत और अंकिता की लव स्टोरी 'पवित्र रिश्ता' शो में एक साथ काम करने से शुरू हुई। सुशांत और अंकिता सात साल तक एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे फिर वो अचानक से एक दिन अलग हो गए। फिलहाल, अंकिता लोखंडे बिग बॉस 17 में कंटेस्टेंट है और शो में वह समय-समय पर सुशांत सिंह राजपूत का जिक्र करती रहती हैं। इस बार, शो में उन्होंने अपने पास्ट रिलेशन को लेकर एक नया खुलासा किया है, जिसमें उन्होंने सुशांत के लिए अपनी पॉजेसिव साइड के बारे में बताया है।

अरबाज और शूरा खान का 12 सेकंड का वीडियो वायरल

अरबाज खान ने रविवार को रवीना टंडन की मेकअप आर्टिस्ट से दूसरी शादी की है। दोनों की शादी में केवल घर और खास दोस्त की शामिल हुए। अरबाज ने बहन अर्पिता खान के घर ये निकाह का किया है। सोशल मीडिया पर दोनों के और घर वालों के काफी वीडियो वायरल हो रहे हैं। ऐसे में अब खुद अरबाज और शूरा का साथ में वीडियो वायरल हुआ है। इसमें दोनों मुंह छुपाते नजर आ रहे हैं। बता दें, अरबाज खान अपनी दूसरी शादी से बेहद खुश हैं। लोग सोशल मीडिया पर जमकर बधाई दे रहे हैं। ऐसे में अरबाज खान और नई नवेली दुल्हन शूरा खान का गाड़ी से वीडियो वायरल हो रहा है। दोनों इस बीच मुंह छुपाते नजर आए। दोनों शादी के बाद पहली बार साथ में कार में एकसाथ नजर आए। लेकिन हैरानी की बात ये है कि पैपराजी को देखते ही दोनों मुंह छुपाने लगे। वायरल हो रही वीडियो में अरबाज खुद कार ड्राइव कर रहे हैं और शूरा उनके साथ बैठी हुई है।जैसे ही दोनों की नजर पैपराजी पर पड़ी तो एक्टर ने मुंह छुपाते हुए तुरंत अपनी गाड़ी स्पीड से भगाई। कपल का यह वीडियो सामने आने के बाद फैंस उन्हें बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। अरबाज और शूरा की वीडियो पर फैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ये तो इसकी बेटी की तरह लग रही है।' एक ने लिखा, 'यार ये अब क्यों चेहरा छुपा रहे हैं जब शादी कर ली।' एक अन्य ने लिखा, 'ऐसा क्या कर लिया जो मुंह छुपाना पड़ रहा है।'

श्रुति हासन ने अपने बॉयफ्रेंड से गुपचुप रचाई शादी

एक्टर ने कर दिया भंडाफोड़

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन ने हाल ही में आर्टिस्ट शांतनु हजारिका के साथ डेट करना शुरू किया है। वे दोनों एक साथ रह रहे थे। एक सोशल मीडिया पोस्ट यह इशारा कर रही है कि दोनों ने गुपचुप शादी कर ली है। ओरहान अवात्रामणि यानी ओरी ने Reddit पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा, जहां इस बात का खुलासा हुआ कि श्रुति हासन ने शादी कर ली है। ओरी से 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन में एक सोशल मीडिया यूजर ने उनसे पूछा कि क्या कभी किसी सेलेब्रिटी ने उनके साथ फोटो खिंचवाने से मना किया है? इस पर ओरी ने जो जवाब दिया वो श्रुति की शादी की तरफ इशारा करता है। यूजर ने ओरी से पूछा, "हैलो ओरी, क्या कोई ऐसा सेलेब्रिटी है जिसने तुम्हारे साथ फोटो खिंचवाने में जबरदस्ती का एटिट्यूड दिखाया हो? अगर नाम नहीं ले सकते तो बस हिंट दे दो।" ओरी ने बातों को दाएं बाएं किए बिना सीधा सा जवाब दिया और लिखा- श्रुति हासन। ओरी ने लिखा, "पोज देने के लिए नहीं, क्योंकि मैंने कभी उससे ऐसा करने को नहीं कहा। लेकिन एक इवेंट में जहां वो मुझे मिली थीं, वो मेरे साथ बहुत रूड थीं। और मैं उन्हें जानता भी नहीं था।" इसी पोस्ट पर यूजर को जवाब देते हुए ओरी ने शांतनू को श्रुति का पति कहा है। उनका ऐसा कहना बहुत से लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। ओरी ने लिखा, "मुझे बहुत बुरा लगा। लेकिन शायद थोड़ी मिसअंडरस्टैंडिंग हो गई थी। क्योंकि मैंने उसके पति के साथ बहुत अच्छा बर्ताव किया था और उसकी तारीफ की थी। यह चीजें वक्त के साथ ठीक हो जाएंगी। लेकिन मैंने ऐसी उड़ती-उड़ती खबरें सुनी थीं कि उसने मुझे चपरासी या स्पॉट बॉय जैसा कुछ कहा था।" ओरी का यह कमेंट लोगों को गॉसिप्स की नई वजह दे गया है। वैसे इसी साल, श्रुति हासन ने कहा था कि उनका अभी तक कोई शादी करने का प्लान नहीं है। क्योंकि उन्हें 'शादी' शब्द से डर लगता है। उन्होंने बताया था कि वे और शांतनु साथ में बहुत खुश हैं और उनकी ट्यूनिंग किसी शादीशुदा कपल से भी बेहतर है।